नाम — यशवन्त कनौजिया

मो0नं0 — 8795509659

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

युवाओं की भूमिका का अर्थ–

युवाओं की भूमिका से यह स्पष्ट होता है कि हमारे देश में जो युवा पीढ़ी है उसका हमारे देश की प्रगति में क्या भूमिका है कि वह हमारे देश का ऐसा शस्त्र है जो अपनी शक्ति का सही उपयोग करके देश को प्रगति के मार्ग पर ला सकता है युवा और देश की पीढ़ी एक दूसरे पर निर्भर है अर्थात हमारे देश में लगभग जो युवा पीढ़ी इस समय रही है अगर वह सही मार्ग पर कार्य करती है तो देश को उन्नति के मार्ग से कोई विचलित नहीं कर सकता है।

युवा पीढ़ी और उनके लक्ष्य–

हमारे देश में लगभग जितनी युवा पीढ़ी निवास करती है उनको शिक्षा ग्रहण करना उतना ही जरूरी हो गया है जितना कि हमारे शरीर को कार्य करने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है युवाओं के लक्ष्य से यह स्पष्ट होता है कि युवाओं की पीढ़ी अपने लक्ष्यों को लेकर कितना तात्पर्य है और वह अपने समय का कितना सदुपयोग करती है हमारे देश और पूरे विश्व को लेकर लगभग6.7 करोड़ युवा निवास करती है जिसमें से अधिकतर युवा शिक्षित हैं।

देश में युवाओं की उपलब्धियां–

हम जिस देश में निवास करते हैं उसकी उन्नति का श्रेय लगभग युवा पीढ़ी को माना जाता है युवाओं ने अनेक उपलब्धियां हासिल करके संपूर्ण विश्व में अपने नाम को उल्लेखनीय बना लिया है।

2022 में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां–

इस समय जो सीडब्ल्यू जी खेल का आयोजन हुआ है उसमें लगभग अभी तक नौ मेडल हासिल किए जा चुके हैं जिसमें से तीन गोल्ड मेडल 3 सिल्वर और 3 रजत के हासिल किए जा चुके हैं।

इसमें स्वर्ण पदक हासिल करने वाली ओलंपिक महिला मीराबाई चानू है जिसने वेटलिफ्टिंग में 137 केजी भार को उठाकर गोल्ड मेडल हासिल किया है इसी प्रकार कई युवाओं और युवतियों ने अन्य खेलों में भी देश को विश्व के महानतम श्रेणी में लाकर बहुत अच्छी उपलब्धियां हासिल की है।

युवा पीढ़ी का गलत प्रभाव–

जिस तरफ कुछ युवा पीढ़ी देश की उन्नति के मार्ग पर ले जा रहे हैं उसी प्रकार दूसरी तरफ कुछ युवा पीढ़ी अपने समय का सही उपयोग नहीं कर रहे हैं वह अपने समय को गलत कार्यों में लगा रहे हैं जो देश के उन्नत में एक भी आधा बन रहा है।

मैं देश के युवाओं को एक सलाह देना चाहता हूं जबकि इस कथन को कई अन्य महान व्यक्तियों द्वारा वर्णित किया जा चुका है देश में निवास कर रही युवा जो अपने समय का सही उपयोग नहीं कर रही है उनसे विनम्र निवेदन है कि वह अपने समय का ज्यादा से ज्यादा शिक्षा ग्रहण करने में वे करें परंतु कुछ महत्वपूर्ण सलाह यह है कि जो युवा शक्ति आज इंटरनेट व मोबाइल पर अपना समझ ज्यादा बे कर रहे हैं वह भी देश की उन्नति में बाधा है जिसमें वह मोबाइल पर सही चीजों को ना देख कर गलत

मार्ग पर जा रहे हैं उनके विनम्र निवेदन है कि भले ही वह अपना समय इंटरनेट व मोबाइल पर खर्च कर रहे हैं लेकिन वह सभी सही चीजों को देखें और जो उनके और देश के हित के लिए हो उसी पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें।

लेकिन कोई व्यक्ति कितना भी अच्छे विचार मौत के आगे व्यक्त कर दे वह उसके लिए हवा के समान है जो महसूस तो अच्छी होती है परंतु कुछ ही समय तक इसका प्रभाव रहता है इसलिए अपने शुद्ध विचारों को ज्यादा से ज्यादा युवाओं पर डालें अगर उन्हें गलत लगता है तो वह कभी ना कभी उनके लिए सही साबित होगा।

शिक्षा और समय–

शिक्षा को लेकर आज कल बहुत से चर्चित विषय बन चुका है शिक्षा और समय युवाओं और युवतियों के लिए बहुत ही जरूरी है अगर शिक्षा को समय से हासिल ना किया जाए तो वह उन्नत कर सकता है परंतु देश के भविष्य में उपयोगी लगभग नहीं हो सकता परंतु हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने भाषण में कहा था कि शिक्षा ग्रहण करने की कोई उम्र नहीं होती है परंतु मेरा यह मानना है कि शिक्षा के लिए जहां तक हो सके एक निश्चित उम्र की आवश्यकता होती है यह कहा जाता है कि आप भले ही वृद्धावस्था में ज्ञान प्राप्त कर लें लेकिन उसका सही उपयोग ना हो तो किसी काम का नहीं।

निष्कर्ष–

उपर्युक्त विचारों से यह स्पष्ट होता है कि युवा देश का भविष्य है और देश के प्रगति उस पर निर्भर हैं इसके लिए युवा को अपने समय का सही उपयोग करने और अपने देश के हित पर विचार करें और युवा जाती अपने सभी कार्यों को ज्यादा से ज्यादा अपना ज्यादा से ज्यादा समय अच्छी किताबों को पढ़ने में व्यक्त करें।